बी.ए.भाग दो (हिंदी)

तृतीय सत्र

पेपर नं.	शीर्षक	Cr.	L.	T.P.	Int.	T.
Ap. C. I	भाषा	4	4	75	25	100

उद्देश्य : 1. भाषा के स्वरूप , प्रकृति एवं महत्त्व से अवगत करना .

2. समाज , संस्कृति और व्याकरण के साथ भाषा के संबंधों से परिचित करना .

3. भाषा-विकास के सोपानों से परिचित करना .

4. भाषा के विभिन्न रूपों एवं बोली की प्रकृति को समझाना .

	Topics and details	No. of Lectures Assigned	Marks Assigned	Credit
ईकाई 1	➢ भाषा की परिभाषा ➢ भाषा और साहित्य ➢ भाषा और समाज ➢ भाषा और व्याकरण	15	25	1
ईकाई 2	➢ भाषा-विकास के सोपान ➢ भाषा का महत्व (उपयोगिता) ➢ भाषा की विशेषताएँ (प्रवृत्तियाँ)	15	25	1
ईकाई 3	➢ भाषा के विभिन्न रूप (परिनिष्ठित , विभाषा , अपभाषा , व्यावसायिक , कूटभाषा , कृत्रिम भाषा , मिश्रित भाषा) ➢ विभाषा (बोली) को भाषा में परिवर्तन के साधन (प्राकृतिक , सामाजिक , धार्मिक , साहित्यिक , राजनीतिक , आर्थिक , शैक्षिक , वैज्ञानिक) ➢ भाषा और विभाषा (बोली) के प्रमुख भेदक तत्त्व	15	25	1
ईकाई 4	➢ भाषा की उत्पत्ति संबंधी सिद्धांतों का सामान्य परिचय ➢ भाषा-परिवर्तन के आभ्यंतर कारण ➢ भाषा-परिवर्तन के बाह्य कारण	15	25	1

Scanned by CamScanner